MWC Info CMM Info CMM Infos

Mennonite World Conference | Congreso Mundial Menonita | Conférence Mennonite Mondiale

समाचार

एक बढ़ती हुई कलीसिया: 2018 में कलीसियाओं की सदस्य संख्या पर एक नजर

युगांडा मेनोनाइट चर्च की एक मण्डली में आराधना सभा: फोटो: युगांडा मेनोनाइट चर्च

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: मंगलवार, 20 नवम्बर 2018

''युगांडा के खेत सुसमाचार प्रचार के लिए पक चुके हैं और कलीसिया बढ़ रही है,'' यह बात युगांडा मेनोनाइट चर्च के राष्ट्रीय संयोजक बिशप सिमोन ओकोथ ने कही। मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस (एमडब्ल्यूसी) की नई सदस्य कलीसिया (2017 में कार्यकारिणी द्वारा स्वीकार की गई) 2015 में 7 मण्डलियों के 310 सदस्यों की एक कलीसिया थी जो अब 2018 में बढ़ कर 18 मण्डलियों और 553 सदस्यों की कलीसिया बन गई है।

प्रत्येक तीन वर्ष में, एमडब्ल्यूसी अपनी सदस्य कलीसियाओं से जानकारी एकत्रित करता है ताकि इसे सदस्य कलीसियाओं के लिए प्रकाशित करे, और संसार भर की सदस्य कलीसियाओं, या सदस्य बनने की प्रक्रिया में शामिल युगांडा मेनोनाइट जैसी कलीसियाओं में हो रही वृद्धि को सामने लाए। विश्व सांख्यिकी, जो प्रत्येक देश में ऐनाबैपटिस्ट कलीसियाओं की सबसे ताजा संख्या को दर्शाता हुआ एक बड़ा नक्शा है, इस प्रकार से है:

एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन (आईबीआईसीए) और 107 कॉंफ्रेंस एमडब्ल्यूसी के सदस्य हैं, जो विश्वास के ज्ञात ऐनाबैपटिस्ट–मेनोनाइट परिवार के कुल 69 प्रतिशत से मिलकर बना है।

सब मिलाकर, विश्वव्यापी ऐनाबैपटिस्टवाद में वृद्धि दिखाई देती है: 86 देशों में 21, 31, 000 बपतिस्मा प्राप्त सदस्य।

ऐनाबैपटिस्ट–मेनोनाइट मण्डलियों से सबसे अधिक वृद्धि विश्व के दक्षिण भाग में, युगांडा मेनोनाइट जैसे कॉंफ्रेंसों में देखी जा सकती है जो शहर से सटे हुए क्षेत्रों में विकसित होती जा रही है। युगांडा मेनोनाइट चर्च संख्या में तेजी से बढ़ रही है, परन्तु उनके सामने अनेक चुनौतियाँ भी आ रही हैं: चर्च भवनों में छत भी ढंग की नहीं है, खिड़कियाँ नहीं हैं; आराधना के दौरान सदस्यों के बैठने के लिए कुर्सियाँ नहीं हैं, पासवान प्रशिक्षित नहीं हैं और कभी कभी उन्हें तनख्वाह भी नहीं मिल पाती।

अफ्रीका की एमडब्ल्यूसी सदस्य कलीसियाओं के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2015 में कुल 7, 01,814 सदस्य थे। यह संख्या 2018 में पाँच प्रतिशत बढ़ गई और अब बपतिस्मा प्राप्त सदस्यों की संख्या 7, 38, 315 है।

एशिया और पैसेफिक में बपतिस्मा प्राप्त सदस्यों की संख्या में दो प्रतिशत की वृद्धि आई है, यद्यपि मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस के बपतिस्मा प्राप्त सदस्यों की संख्या में हल्की गिरावट आई है। इण्डोनेशिया और वियतनाम जैसे देशों में भी सदस्यों की संख्या घटी है। भारतीय जुक्ता ख्रिस्ता प्रचार मण्डली में, जो कोलकाता भारत में स्थित एक ऐनाबैपटिस्ट कलीसिया है, सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है और 2015 की बपतिस्मा प्राप्त सदस्य संख्या 2,725 अब 2018 में बढ़ कर 4,260 हो चुकी है।

लैटिन अमरीका में एमडब्ल्यूसी सदस्य कलीसियाओं में बपतिस्मा प्राप्त सदस्य संख्या में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई हैः 2015 में 1,02, 377 से 2018 में बढ़कर 1,09,177।

लैटिन अमरीका के दो कॉंफ्रेंसों में तीस प्रतिशत की वृद्धि आई है। एमडब्ल्यूसी की नई सदस्य कलीसिया सीओबीआईएम, द मेनोनाइट ब्रदरन चर्च इन ब्राजील में 2015 बपतिस्मा प्राप्त सदस्यों की संख्या 6, 960 से बढ़ कर 2018 में 10, 000 तक पहुँच चुकी है। कॉंफ्रेंसिया पेरूआना हेर्मानोसा मेनोनिटास की सदस्य संख्या 2015 में 664 थी जो अब 2018 में 1,000 हो चुकी है।

वेननजुएला में, जहाँ अर्थव्यवस्था ढह जाने से जीवन काफी कठिन हो गया है, एमडब्ल्यूसी की एसोसिएट सदस्य कलीसिया कासा डे रिस्टाउरासियोन वाय विडा शालोम में सदस्यों की संख्या घट कर आधी हो गई है, 2015 में यह संख्या 250 थी जो अब 2018 में घट कर 120 रह गई है।

यूरोप, जो ऐनाबैपटिस्ट विश्वास का पालना है, द नीदरलैण्ड्स जैसे अपने ऐतिहासिक स्थानों में सदस्य संख्या में गिरावट झेल रहा है। द नीदरलैण्ड्स में अलगेमेने डोप्सजेज़िन्द सोसायटेट की सदस्य संख्या 7,650 गिर कर अब 2018 में 5,725 रह गई है। किन्तु, अलबानिया और स्पेन में ऐनाबैपटिस्ट विश्वास की नई कलीसियाओं में वृद्धि हो रही है। अलबानिया में बपतिस्मा प्राप्त सदस्यों की संख्या 2015 में 30 थी जो काफी तेजी से बढ़ कर 2018 में 120 हो चुकी है, जबकि स्पेन के एनाबॉउटिस्सटास, मेनोनिटास वाय हेर्मानोस एन क्रिस्तो में सदस्य संख्या 376 से बढ़ कर 501 पहुँच चुकी है, इस कलीसिया को हॉंडुरस के आमोर विवियन्ते के मिशन कार्य द्वारा काफी सहायता मिल रही है।

उत्तर अमरीका में, मेनोनाइट चर्च यूएसए से मिली जानकारी के अनुसार उनकी सदस्य संख्या में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है क्योंकि लेंकास्टर मेनोनाइट कॉंफ्रेंस ने इस संगठन को छोड़ कर एक अलग कॉंफ्रेंस का गठन कर लिया। अन्य अनेक राष्ट्रीय कॉंफ्रेसों से मिली जानकारी के अनुसार उनकी कुल संख्या में हल्की गिरावट आई है, जबकि कन्जर्वेटिव्ह मेनोनाइट कॉंफ्रेंस इन यूएसए ने दो प्रतिशत वृद्धि दर्शाया है। द बी इन ख़्राइस्ट चर्च ऑफ कनाडा (पहले ब्रदरन इन ख़्राइस्ट नाम से थी) तेजी से बढ़ती जा रही है और 2018 में लगभग 17,000 लोग आराधना में शामिल होते हैं। (2015 की सदस्य संख्या 4,080 थी तब सदस्य संख्या की गणना का मापदण्ड काफी संर्कीण था)।

सब मिलाकर, मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस की सदस्य कलीसियाओं में 2015 के बाद से दो प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि विश्व भर के ऐनाबैपटिस्ट विश्वासियों की गिनती एक प्रतिशत बढ़ी है। विश्व के दो तिहाई ऐनाबैपटिस्ट विश्व के दक्षिण भाग में पाए जाते हैं।

यदि हम सिर्फ एमडब्ल्यूसी के सदस्य कॉंफ्रेसों को गिने, तो युगांडा जैसे स्थानों में, दक्षिण विश्व में 81 प्रतिशत सदस्य पाए जाते हैं।

ओकाथ कहते हैं, ''मेनोनाइट चर्च युगांडा के लिए यह बड़ी खुशी और आदर की बात है कि यह एमडब्ल्यूसी विश्व परिवार का एक सदस्य है, प्रभु हमें एक साथ सम्भाले रहे।''

– मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस विज्ञप्ति